ॐ सिद्धेश्वर महादेवाय नमः

पावन आमंत्रण

उद्घोष

तृतीय आस्था दिवस

मंगलवार, 25 दिसम्बर 2018

प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक

803 वर्ष प्राचीन कुलदेवता भगवान श्री सिद्धेश्वर महादेव तीर्थस्थान, अवंतीपुर बड़ोदिया, जिला शाजापुर म.प्र.

इस वर्ष के आकर्षण

नवश्रृंगारित मंदिर का लोकार्पण

- महारुद्राभिषेक एवं महाआरती
- श्री सिद्धेश्वर महादेव सेवा न्यास का लोकार्पण
- फूल बंगला एवं छप्पन भोग
- परिचय सम्मेलन
- सिद्धमेला

शुभकामनाओं सहित,

अखिल भारतीय (धा.) माहेश्वरी सभा (पंजीयन क्रं. 06, दिनांक 26 सितम्बर 2018)

केन्द्रीय कार्यकारिणी समिति, महिला एवं युवा संगठन एवं समस्त स्थानीय समितियां

Email - maheshwarisamvad@gmail.com Whatsapp No. 89624-40801 www.maheshwarisabha.net

तृतीय आस्था दिवस

मंगलवार, 25 दिसम्बर 2018

कार्यक्रम

प्रात: 8 बजे से	:	महारूद्राभिषेक
प्रात: 10:30 बजे	:	महाआरती एवं नवश्रृंगारित मंदिर का लोकार्पण
प्रात: 11:00 बजे से	:	महाप्रसादम्
प्रात: 11:30 से 1:30 बजे	:	सिद्धमेला, मुख्य समारोह एवं श्री सिद्धेश्वर महादेव सेवा न्यास का लोकार्पण
दोपहर 2 से 5 बजे	:	परिचय सम्मेलन

कृपया आस्था दिवस पर अपना कारोबार स्थगित रखें एवं कुलदेवता के दर्शन पूजन व नवश्रृंगारित मंदिर के लोकार्पण समारोह में सहभागिता कर उपकृत करें।

आस्था दिवस की व्यवस्था

1. भोजन हेतु कार्यक्रम स्थल पर समाजजनों को भोजन पास **निःशुल्क** उपलब्ध रहेगा, एवं पास देकर भोजन क्षेत्र में प्रवेश रहेगा ।
2. मेला क्षेत्र में सःशुल्क स्वल्पाहार उपलब्ध रहेगा।
3. पानी की व्यवस्था नियमित दूरी पर रहेगी ।

सिद्ध मेला हेतु स्टॉल्स का आवंटन

सिद्धमेला में समाजजन अपने उत्पाद/कला की प्रदर्शनी एवं बिक्री हेतु आमंत्रित हैं। इस हेतु स्टॉल्स का आवंटन लाटरी द्वारा किया जायेगा। आपसे अनुरोध है कि अपना स्टॉल अविलम्ब बुक करें। आप अपना नाम, शहर का नाम, उत्पाद आदि की जानकारी केंद्रीय कार्यकारिणी के Whatsapp No. 8962440801 पर मेसेज कर स्टॉल बुक करें।

नृत्य नाटिका - २०१६

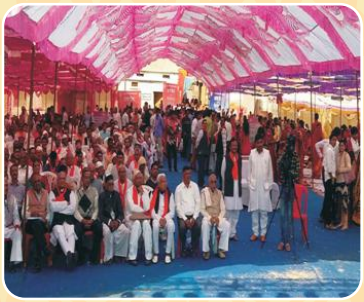

आस्था दिवस - २०१६

परिचय सम्मेलन - २०१७

सिद्धमेला - २०१७

तीर्थस्थान विकास.... मोटी-मोटी बातें

- मंदिर निर्माण पर अबतक लगभग रु. 25 लाख हुये व्यय
- समाजजनों ने किया रु. 18.50 लाख का स्वैच्छिक अंशदान
- म.प्र. शासन से रु. 38.10 लाख का अनुदान स्वीकृत
- मंदिर परिसर में बनेगा यात्री निवास – ''सिद्धकुंज''
- 11 किलो चाँदी से सजेगा कुलदेवता का दरबार
- 10 हजार स्क्वेयर फीट पर सिद्ध भवन निर्माण
- आंध्रप्रदेश से मंगाया गया कड़प्पा पत्थर
- राजस्थान से मंगाया गया धौलपुर पत्थर
- जयपुर में तैयार हो रही मूर्तियां
- 101 किलो पीतल से तैयार हो रहा कलश

श्री सिद्धेश्वर महादेव सेवा न्यास

पंजीयन क्रमांक 07 दिनांक 26 सितम्बर 2018

(कुल देवता श्री सिद्धेश्वर महादेव तीर्थ स्थान एवं समाज सेवार्थ, अ.भा. (धा.) माहेश्वरी सभा द्वारा प्रवर्तित न्यास)

न्यास गठन के उद्देश्य

- हमारे समाज के ज्ञात इतिहास एवं कुलदेवता के रुप में श्री सिद्धेश्वर महादेव की आराधना करना.
- समूचे समाज को एक आस्था केन्द्र जोड़ना.
- तीर्थस्थान में महेश नवमी, महाशिवरात्रि, श्रावण सोमवार, श्री राम नवमी, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, अन्नकूट एवंआस्था दिवस इत्यादि उत्सवों का आयोजन करना.
- समाज बंधुओं को विवाह, जमाल, सगाई, जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, समाज की सभाओं इत्यादि कार्यक्रम हेतु स्थान उपलब्ध कराना.
- समाजोत्थान के विभिन्न प्रकल्पों का संचालन करना.

श्री सिद्धेश्वर महादेव सेवा न्यास की सदस्यता

श्री सिद्धेश्वर महादेव सेवा न्यास की सदस्यता त्रिस्तरीय है, जो कि अंशदान आधारित है। आप अंशदान किश्तों में भी कर सकते हैं, अर्थात आप जिस भी प्रकार की सदस्यता लेना चाहें, उतनी राशि का अंशदान किश्तों में कर सकते हैं।

संरक्षक सदस्य	–	रू.101000/–
विशिष्ट सदस्य	–	रू. 51000/–
साधारण सदस्य	–	रू. 11000/–
दानदाता	–	रू. 11000/– से कम
मांगलिक अवसर पर	–	स्वेच्छानुसार

आइये, हम सब मिलकर श्री सिद्धेश्वर महादेव सेवा न्यास को अपने अंशदान से सुदृढ़ बनायें। केन्द्रीय कार्यकारिणी का यह लक्ष्य है कि श्री सिद्धेश्वर महादेव सेवा न्यास की सदस्यता समाज का प्रत्येक परिवार ग्रहण करे एवं आगामी पांच वर्षों में न्यास के पास इतना फंड हो, जिससे प्राप्त आय से समाज कल्याण के प्रकल्पों का संचालन किया जा सके।

न्यास की सदस्यता ग्रहण करने की विधि

आप न्यास की सदस्यता एक मुश्त अंशदान अथवा किश्तों में अंशदान कर ग्रहण कर सकते हैं, उदाहरणार्थ –

– जो समाजबंधु रु.11000/– से कम की राशि का अंशदान करेंगे वे समय समय पर और अंशदान कर सकते हैं। उनके द्वारा रु.11000/– का अंशदान करने के उपरांत वे न्यास के साधारण सदस्य होंगे।

– जो समाजबंधु रु. 51000/– से कम की राशि का अंशदान करेंगे, वे समय समय पर और अंशदान कर सकते हैं। उनके द्वारा रु. 51000/– का अंशदान करने के उपरांत वे न्यास के निशिष्ट सदस्य होंगे।

– जो समाजबंधु रु. 101000/– से कम की राशि का अंशदान करेंगे, वे समय समय पर और अंशदान कर सकते हैं। उनके द्वारा रु. 101000/– का अंशदान करने के उपरांत वे न्यास के संरक्षक सदस्य होंगे।

उपरोक्त अंशदान आप परिवार के एक से अधिक सदस्यों के नाम से कर सकते हैं। न्यास की लेखा पुस्तकों में आपके द्वारा समय समय पर किये गये अंशदान का लेखा जोखा रहेगा।

श्री सिद्धेश्वर महादेव तीर्थ स्थान विकास

श्री गणेश एवं माताजी मंदिर

तीर्थ स्थान का मुख्यद्वार

तीर्थ स्थान विकास..... एक नजर में

- श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर
- श्री सिद्ध हनुमान मंदिर
- श्री राम दरबार मंदिर
- श्री राधा कृष्ण मंदिर
- श्री शीतला माता, सती माता एवं श्री गणेश मंदिर
- प्राचीन मूर्तियों की स्थापना
- समाज की सभाओं एवं प्रवचन हेतु सिद्ध हाल
- यात्री निवास हेतु मंदिर परिसर में सिद्धकुंज
- मुख्य द्वार का निर्माण
- सीढियों एवं संपूर्ण परिसर की फ्लोरिंग
- संत निवास कक्ष
- कार्यालय कक्ष
- सिद्ध भवन (दस हजार स्क्वेयर फीट भूमि पर भवन)
- सुगम आवागमन हेतु विभिन्न सड़कों का निर्माण
- मंदिर मार्ग की सड़क का निर्माण
- गरीबनाथ धाम परिसर का विकास

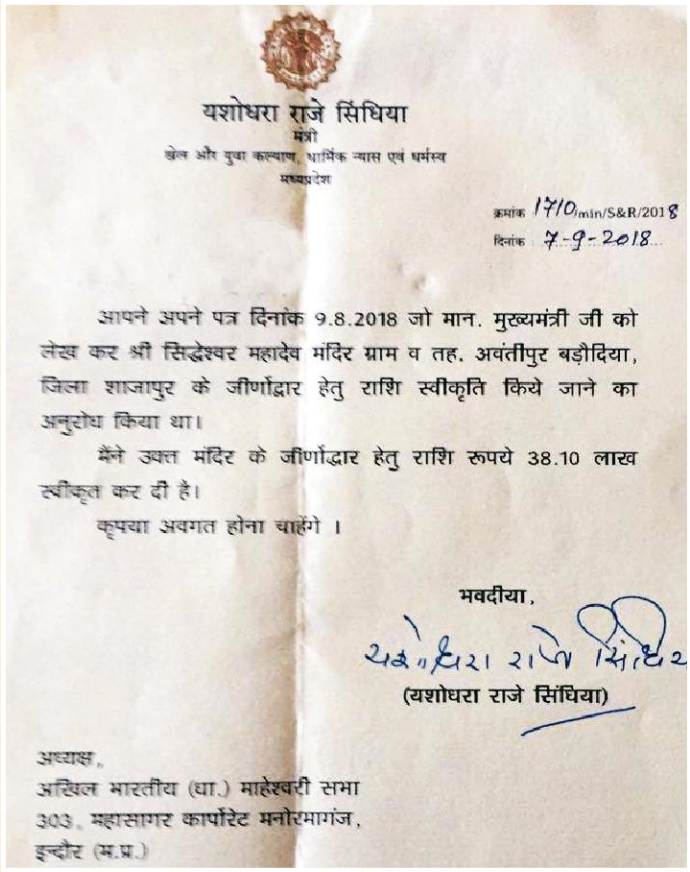

यशोधरा राजे सिंधिया
मंत्री
खेल और युवा कल्याण, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व
मध्यप्रदेश

क्रमांक 1710/min/S&R/2018
दिनांक 7-9-2018

आपने अपने पत्र दिनांक 9.8.2018 जो मान. मुख्यमंत्री जी को लेख कर श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर ग्राम व तह. अवंतीपुर बड़ौदिया, जिला शाजापुर के जीर्णोद्धार हेतु राशि स्वीकृति किये जाने का अनुरोध किया था।

मैंने उक्त मंदिर के जीर्णोद्धार हेतु राशि रूपये 38.10 लाख स्वीकृत कर दी है।

कृपया अवगत होना चाहेंगे ।

भवदीया,

यशोधरा राजे सिंधिया

(यशोधरा राजे सिंधिया)

अध्यक्ष,
अखिल भारतीय (धा.) माहेश्वरी सभा
303, महासागर कार्पोरेट मनोरमागंज,
इन्दौर (म.प्र.)

म.प्र. शासन से स्वीकृत सहायता रु. 38.10 लाख

निर्माणाधीन सिद्ध भवन